kulgam 14.pdf

Title – Shri Vishnu Nama Sahasram (from Maha Bharata)

Page 4 / 42

Page 3 / 42

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ यस्य स्मरणमात्रेण जन्मसंसार
बन्धनात् ॥ विमुच्यते नमस्तस्मै विष्णवे प्रभविष्णवे ॥ नमः समस्त
भूतानामादिभूताय भूभृते ॥ अनेकरूपरूपाय विष्णवे प्रभविष्ण
वे ॥ श्रीवैशम्पायन उवाच ॥ श्रुत्वा धर्मानशेषेण पावनानि च सर्व
शः ॥ युधिष्ठिरः शान्तनवं पुनरेवाभ्यभाषत ॥ श्रीयुधिष्ठिर
उवाच ॥ किमेकं दैवतं लोके किं वाप्येकं परायणम् ॥ स्तुवन्तः
वि: स: कं कमर्चन्तः प्राप्नुयुर्मानवाः शुभम् ॥ को धर्मः सर्वधर्माणां
० भवतः परमो मतः ॥ किं जपन्मुच्यते जन्तुर्जन्मसंसारबन्धनात् ॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

गयनमः॥ पवित्राणां पवित्रं यो मङ्गलानां च मङ्गलम्॥ दैवतं देव
तानां च भूतानां योव्ययः पिता॥ यतः सर्वाणि भूतानि भवन्त्यादि
युगागमे॥ यस्मिंश्च प्रलयं यान्ति पुनरेव युगक्षये॥ तस्य लोकप्र
धानस्य जगन्नाथस्य भूपते॥ विष्णोर्नामसहस्रं मे शृणु पापभ
यापहम्॥ यानि नामानि गौणानि विख्यातानि महात्मनः॥ ऋ
षिभिः परिगीतानि तानि वक्ष्यामि भूतये॥ विष्णोर्नामसहस्रस्य
वेदव्यासो महामुनिः॥ छन्दोनुष्टुप् तथा देवो भगवान्देवकीसुतः॥
वि॰ स॰ ७ अमृतांशूद्भवो बीजं शक्तिर्देवकिनन्दनः॥ त्रिसामा हृदयं तस्य
शान्त्यर्थे विनियुज्यते॥

अथ श्री श्रीकृष्णाष्टोत्तरशतनामस्तोत्रम् ॥ श्रीभगवान्वेदव्यासमहर्षि :
अनुष्टुप्छन्दः ॥ श्रीकृष्णः परमात्मा देवता ॥ कृष्णायेति बीजं
एवं तद्गीर्णमा ॥ देवकीनन्दनः श्रीकृष्ण इति शक्तिः ॥ उद्धवः
श्रीकृष्णदेव इति परमो मन्त्रः ॥ सत्यं वक्ष्यामीति कील
कम् ॥ हिरण्यगर्भः मन्त्रं कवचं ॥ मन्त्रपवित्रगायत्र
इत्यस्त्रम् ॥ श्रीकृष्णप्रीत्यर्थे जपे विनियोगः ॥
ॐ क्लीं विष्णवे मध्यमा विष्णवे कनिष्ठिकाभ्यां ॥ करतलकरपृष्ठे
इत्येवं न्यासः हृदयादिन्यासः ॥ अथ ध्यानम् ॥ ॐ विष्णुं विष्णुं चतुर्भुजं

गउति हृदयाय नमः ॥ अमृतं स्रुस्रुवे ठं गिति शिरसे स्वाहा ॥
ग्रुङ्क विश्वङ्क ग्रुङ्कीति शिखायै वौषट् ॥ भवल विष्णवे
हउति कवचाय हुं ॥ श्रुष्टिं दे दैति नामिद्र उति नेत्र हुं
वषट् ॥ मान्त्र पञ्चाङ्ग पर उ ह्रुं यफट् ॥ उति पञ्चाङ्ग
मः ॥ विश्वं विष्णु चक्र उ हृदयाय हृं नमः ॥ अमृतं स्रुस्रुवे
ठं गिति शिरसे हृं नमः ॥ ग्रुङ्क विश्वङ्क ग्रुङ्कीति शिखायै हृं
वि: नमः ॥ भवल विष्णवे हउ कवचाय हृं नमः ॥ श्रुष्टिं दे
म: दैति नेत्रत्रयाय हृं नमः ॥ मान्त्र पञ्चाङ्ग पराउ
७

उकारन्यासपूर्वं हृं नमः॥ ॐ उकाराय नमः॥ अथ ...
श्रीविष्णुप्रीत्यर्थे जपे विनियोगः॥ अथ ध्यानम्॥ ॐ
शान्ताकारं भुजगशयनं पद्मनाभं सुरेशं विश्वाधारं गगन
सदृशं मेघवर्णं शुभाङ्गम्॥ लक्ष्मीकान्तं कमलनयनं यो
गिभिर्ध्यानगम्यं वन्दे विष्णुं भवभयहरं सर्वलोकैकनाथम्॥
ॐ नमो नारायणाय ... विष्णवे ... ॥ म
... धीमहि॥ ३॥ ॐ नमो नारायणाय॥ ॐ विश्वस्मै॥
विष्णवे॥ वषट्काराय॥ भूतभव्यभवत्प्रभवे॥ भूतकृते॥ भूतभृते॥

भावाय॥ भूतात्मने॥ भूतभावनाय॥ पूतात्मने॥ परमात्मने॥
घे मुक्तानां परमागतये॥ अव्ययाय॥ पुरुषाय॥ साक्षिणे॥ क्षे-
त्रज्ञाय॥ अक्षराय॥ योगाय॥ योगविदां नेत्रे॥ प्रधानपुरु-
षेश्वराय॥ नारसिंहवपुषे॥ श्रीमते॥ केशवाय॥ पुरुषोत्तमा-
य॥ सर्वस्मै॥ शर्वाय॥ शिवाय॥ स्थाणवे॥ भूतादये॥ निधये
अव्ययाय॥ संभवाय॥ भावनाय॥ भर्त्रे॥ प्रभवाय॥ प्रभवे॥
वि: ईश्वराय॥ स्वयम्भुवे॥ शम्भवे॥ आदित्याय॥ पुष्कराक्षाय॥ म-
सं: ८ हास्वनाय॥ अनादिनिधनाय॥ धात्रे॥ विधात्रे॥ धातुरुत्तमाय॥

मधुमेयाय॥ हृषीकेशाय॥ पद्मनाभाय॥ सभास्तवे॥
विश्वकर्मणे॥ मनवे॥ त्वष्ट्रे॥ स्थविष्ठाय॥ स्थविराय॥ ध्रुवा
य॥ अग्राह्याय॥ शाश्वताय॥ कृष्णाय॥ लोहिताक्षाय॥ प्रतर्द
नाय॥ प्रभूताय॥ त्रिककुब्धाम्ने॥ पवित्राय॥ मङ्गलप
राय॥ ईशानाय॥ प्राणदाय॥ प्राणाय॥ ज्येष्ठाय॥ श्रेष्ठाय॥
प्रजापतये॥ हिरण्यगर्भाय॥ भूगर्भाय॥ माधवाय॥ मधुसू
दनाय॥ ईश्वराय॥ विक्रमिणे॥ धन्विने॥ मेधाविने॥ विक्र
माय॥ क्रमाय॥ अनुत्तमाय॥ दुराधर्षाय॥ कृतज्ञाय॥ कृतये॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
वि: [illegible]
मं: [illegible]
५ [illegible]

[illegible] || [illegible] || [illegible] || [illegible] || [illegible] ||
[illegible] || विश्वयोनये || [illegible] || [illegible] [illegible] ||
[illegible] || [illegible] || [illegible] || [illegible] || [illegible] ||
[illegible] || [illegible] || वेदाय || वेदविदे || [illegible] ||
वेदाङ्गाय || वेदविदे || कवये || लोक[illegible] || [illegible] ||
[illegible] || [illegible] || [illegible] || [illegible] || [illegible]
[illegible] || [illegible] || [illegible] || [illegible] || [illegible] || [illegible]
[illegible] || [illegible] || [illegible] || [illegible] || विश्वयोनये || [illegible] ||

उपेन्द्राय ॥ वामनाय ॥ प्रांशवे ॥ अमोघाय ॥ शुचये ॥ ऊर्जिताय
अतीन्द्राय ॥ संग्रहाय ॥ सर्गाय ॥ धृतात्मने ॥ नियमाय ॥ यमाय
वेद्याय ॥ वैद्याय ॥ सदायोगिने ॥ वीरघ्ने ॥ माधवाय ॥ मधवे ॥
अतीन्द्रियाय ॥ महामायाय ॥ महोत्साहाय ॥ महाबलाय ॥ म
हाबुद्धये ॥ महावीर्याय ॥ महाशक्तये ॥ महाद्युतये ॥ अनिर्देश्य
वपुषे ॥ श्रीमते ॥ अमेयात्मने ॥ महाद्रिधृते ॥ महेष्वासाय ॥
वि॰ महीभर्त्रे ॥ श्रीनिवासाय ॥ सतां गतये ॥ अनिरुद्धाय ॥ सुरान
सं॰ ३ न्दाय ॥ गोविन्दाय ॥ गोविदां पतये ॥ मरीचये ॥ दमनाय । हंसाय ॥

सुपठाय ॥ कुलगोत्रमाय ॥ जितकामठाय ॥ सत्यधर्मा ॥ धन्वन्
ठाय ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ सहस्रे ॥ १०० ॥

॥ ॥ ओं सिंधुराय ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ सत्य ॥
[illegible] ॥ [illegible] ॥ विश्वरूपे ॥ सनातने ॥ गुरवे ॥ गुरुसम
य ॥ पद्मे ॥ सत्याय ॥ सत्यपराक्रमाय ॥ निमिषाय ॥ सुनिमिष
य ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ श्री
मते ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ विश्वरूपे ॥

मन्त्रस्वरूपाय ॥ मन्त्ररूपधृते ॥ सुवर्णाय ॥ निष्कलात्मने ॥ सर्व-
ज्ञाय ॥ सर्वस्वभावाय ॥ सत्त्वः सर्वज्ञाय ॥ वरदाय सुनिर्मलाय ॥
परात्परतराय ॥ महामायाय ॥ स्वभावात्मने ॥ विश्वरूपाय ॥ विश्वकु-
लाय ॥ विभवाय ॥ महेन्द्राय ॥ महोत्तमाय ॥ माधवाय ॥ लक्ष्म्यै ॥ नारायणा-
य ॥ नराय ॥ सर्वप्रियाय ॥ सर्वमेयात्मने ॥ विसिद्धाय ॥ सि-
द्धसाधवे ॥ सुगमाय ॥ सिद्धज्ञाय ॥ सिद्धमन्त्राय ॥ सिद्धिदाय ॥
वि॰ सिद्धिसाधनाय ॥ वसिष्ठाय ॥ वशकाय ॥ विष्णवे ॥ वषट्-
सं॰ पतये ॥ वशिष्ठाय ॥ वचनाय ॥ वरप्रदाय ॥ विविक्ताय ॥
१

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

वि॰ [illegible]

मं॰ ३ [illegible]

सर्वभद्राय॥ सिद्धिविधिज्ञाय॥ श्रुताय॥ श्रुतपारगाय॥ वरदाय॥
वरेण्याय॥ वायुवाहनाय॥ वामदेवाय॥ वरदभानवे॥
सुप्रियदेवाय॥ भरद्वाजाय॥ ससैकाय॥ उग्राय॥ उग्राय॥
सुराय॥ सौम्याय॥ अनीश्वराय॥ सरक्षकाय॥ सत्यवत्साय॥
पद्मिने॥ पद्मनिधिप्रियाय॥ पद्मनाभाय॥ मार्गविक्रमाय॥
पद्मगर्भाय॥ शरीरभृते॥ भवभूतये॥ ऋभूय॥ विभूतये॥
भवशर्वाय॥ गन्धर्वप्रियाय॥ सद्योजाताय॥ सारणाय॥ हीमा-
य॥ अभयदाय॥ कविविदाय॥ अचलशृङ्गनिवासाय॥

वि॰ स॰ ७

लक्ष्मीवते ॥ समितिञ्जयाय ॥ विक्षराय ॥ रोहिताय ॥ मार्गाय ॥
हेतवे ॥ दामोदराय ॥ सहाय ॥ महीधराय ॥ महाभागाय ॥
वेगवते ॥ अमिताशनाय ॥ उद्भवाय ॥ क्षोभणाय ॥ देवाय ॥ श्री
गर्भाय ॥ परमेश्वराय ॥ करणाय ॥ कारणाय ॥ कर्त्रे ॥ विकर्त्रे ॥
गहनाय ॥ गुहाय ॥ व्यवसायाय ॥ व्यवस्थानाय ॥ संस्थानाय ॥
स्थानदाय ॥ ध्रुवाय ॥ परर्द्धये ॥ परमस्पष्टाय ॥ तुष्टाय ॥
पुष्टाय ॥ शुभेक्षणाय ॥ रामाय ॥ विरामाय ॥ विरजसे ॥
मार्गाय ॥ नेयाय ॥ नयाय ॥ अनयाय ॥ ८०० ॥ श्रीविष्णवे नमः भ

[illegible]लिवस्थि[illegible]मरुभजनमुवायापिलभङ्गुरुतय ॥ भंभंभ
[illegible]परमहंसमुक्तसूर्यमैत्रिवक्त्रिताय [illegible] ॥ वै
[illegible]य ॥ वीराय ॥ सत्त्विमतं शुभप्रदाय ॥ पद्माय ॥ पद्मवि
मुखाय ॥ वैकुण्ठाय ॥ धनदाय ॥ [illegible]ताय ॥ [illegible]ाय ॥ [illegible]
[illegible]वाय ॥ [illegible]देवे ॥ हिरण्यगर्भाय ॥ मधुसूदनाय ॥ [illegible]ाय ॥ वा
सुदेवे ॥ मणिकुण्डलाय ॥ [illegible]देवे ॥ [illegible]नाय ॥ कमलाय ॥ परमेष्ठि
ने ॥ परिशुद्धाय ॥ उग्राय ॥ [illegible]ाय ॥ [illegible]ाय ॥ विश्वाय ॥
विश्वरूपाय ॥ विश्वात्मने ॥ [illegible]देवे ॥ [illegible]ाय ॥ सह

यन्य॥गीश्य॥ मकुय॥ मनकुय॥ मदकैमन्य॥ मदठैगन्य॥
मदघनन्य॥ मनिचिलुय॥ भुविभुन्य॥ कुवे॥ पमद्रप
य॥ मदभापन्य॥ नक्रुरेभये॥ नमोउ॥ कमन्य॥ कभय॥
ममीघनन्य॥ यहुय॥ ठहूय॥ मदेहूय॥ उउवे॥ मड्डूय॥
मउंगुउये॥ मचमक्षिर॥ विभक्कभ्रूते॥ मचहूय॥ हूरेय॥
उउमन्य॥ मबूउन्य॥ ममापन्य॥ भ्रक्मय॥ मथ्येमये॥ माप
वि॰ स॰ मन्य॥ महरू॥ मनिदगन्य॥ सिउंहूपन्य॥ वीरगदुवे॥ विम
०० रन्य॥ भ्रूपलन्य॥ मवमन्य॥ हपिरे॥ रैकभ्रूते॥ रैककमउउ॥

वज्रराय ॥ वज्रालाय ॥ वज्रिणे ॥ गरुडराजाय ॥ पद्मेश्वराय ॥ पद्म

गुप ॥ पद्मसुतेज ॥ पद्मिले ॥ भद्र ॥ भद्रभद्र ॥ क्षराय ॥ भक्षराय ॥

सविद्युते ॥ भद्रंसवे ॥ विपद्ये ॥ सुतेनक्षत्राय ॥ गतभिर

नेभये ॥ भद्रभृत्य ॥ भिंदय ॥ कुंभसुरेश्वराय ॥ अमिलेवाय ॥

भद्रलेवाय ॥ लेवेमाय ॥ लेवहस्तव ॥ भद्रलेवाय ॥ लेवे

माय ॥ लेवहस्तुमे ॥ उग्राय ॥ गोपतये ॥ नेत्रे ॥ स्तनभूय ॥

भगतराय ॥ मरीचकुसुहस्ते ॥ उल्लोमि ॥ तेजे ॥ ५०० ॥ इति

श्रीभगवत्सहस्रनामस्तोत्रं विरूपाक्षप्रोक्तं समाप्तं ॥

[illegible] नमः ‖ [illegible]
[illegible] ‖ [illegible] ‖ [illegible] ‖ [illegible] ‖ [illegible] ‖ [illegible]
[illegible] ‖ [illegible] ‖ [illegible] ‖ [illegible] ‖ [illegible] ‖ [illegible]
[illegible] ‖ [illegible] ‖ [illegible] ‖ [illegible] ‖ [illegible]
[illegible] ‖ [illegible] ‖ [illegible] ‖ [illegible] ‖ [illegible]
[illegible] ‖ [illegible] ‖ [illegible] ‖ [illegible] ‖ [illegible] ‖
[illegible] ‖ [illegible] ‖ [illegible] ‖ [illegible] ‖ [illegible] ‖
००
[illegible] ‖ [illegible] कपिलं[illegible] ‖ [illegible] ‖ [illegible]

हरये॥ हिरण्याय॥ हिरण्यगर्भाय॥ महामायाय॥ [illegible]॥
महावराहाय॥ गोविन्दाय॥ भक्तेशाय॥ कामकामिने॥ [illegible]
य॥ गम्भीराय॥ गहनाय॥ गुणाय॥ [illegible]॥ [illegible]
॥ [illegible]॥ [illegible]॥ [illegible]॥ [illegible]॥ [illegible]
[illegible]॥ वरदाय॥ वामनाय॥ [illegible]॥ [illegible]॥
महामनसे॥ भगवते॥ भागिने॥ [illegible]॥ वनमालिने॥
[illegible]॥ [illegible]॥ [illegible]॥ [illegible]॥ [illegible]
त्रिमूर्तये॥ [illegible]॥ [illegible]॥ [illegible]॥ [illegible]
[illegible]॥

शिवध्यानमे ॥ भवमहमे ॥ हृम्भान्य ॥ मयैनिलय वमम्भडये ॥
श्रिमग्रे ॥ ममभगान्य ॥ भग्रे ॥ निवान्तय ॥ ठवलय ॥ ठिवले ॥
भवृभतुडे ॥ ममान्य ॥ मतुन्य ॥ निभूर्यै ॥ मान्तुये ॥ पराय न्तय
मुठमय ॥ मान्त्रिमन्य ॥ भमूे ॥ ऊभरूय ॥ ऊवलेमयान्य ॥ गौरि
न्नय ॥ गौपडये ॥ गेहै ॥ वधवठमन्य ॥ वधभियाय ॥ मनिव
त्रिने ॥ निवज्जुम्नने ॥ भक्रेहै ॥ कभतुडे ॥ डलौमि ॥ मिवाय ॥ ॥
वि॰ यद्दीत्रुनंयद्धर ॥ यमीकं ॥ यद्वनंयद्धव ॥ यमद ॥ भ ॥
मा॰ लोकभूमहे विमन्ते उकिन्त्वंडमे भठह मूवमनमेनमः ॥
०७

त्रिसूलवज्रधराय ॥ सूलिवभाय ॥ सूलिपतये ॥ सूलिभृद्वराय ॥
सूलिभाय ॥ सूलिमाय ॥ सूलिनिवभाय ॥ सूलिनिपये ॥ सूलिविठव
नाय ॥ सूलिपाय ॥ सूलिकिराय ॥ सूलियमे ॥ सूलिभृते ॥ लोकहृ
यसूयाय ॥ भद्राय ॥ भूतेशाय ॥ मण्डनाम्नाय ॥ नन्दिने ॥
प्रेतिजन्मविघ्नाय ॥ विलिङ्गधृते ॥ भद्रोद्रेये ॥ स्थितिसंभम
याय ॥ उमीलनाय ॥ भवदण्डकृपे ॥ मनीषाय ॥ मामुद्रि
गाय ॥ कुसयाय ॥ कुधराय ॥ कुडये ॥ विमोक्षाय ॥ मोक्षनाम
नाय ॥ मनिविश्रुते ॥ मनिडाय ॥ जम्भाय ॥ विश्वकृते ॥ विमोचनाय ॥

अनिरुद्धाय॥ अप्रतिरथाय॥ प्रद्युम्नाय॥ अमितविक्रमा-
य॥ कालनेमिनिघ्ने॥ शौरये॥ शूराय॥ शूरजनेश्वरा-
य॥ त्रिलोकात्मने॥ त्रिलोकेशाय॥ केशवाय॥ केशिघ्ने॥
हरये॥ कामदेवाय॥ कामपालाय॥ कामाय॥ कान्ता-
य॥ कृतागमाय॥ अनिर्देश्यवपुषे॥ विष्णवे॥ वीराय॥
अनन्ताय॥ धनञ्जयाय॥ ब्रह्मण्याय॥ ब्रह्मकृते॥ ब्रह्मणे॥
वि: स: ब्रह्मणे॥ ब्रह्मविवर्धनाय॥ ब्रह्मविदे॥ ब्राह्मणाय॥
०३ ब्रह्मिणे॥ ब्रह्मज्ञाय॥ ब्राह्मणप्रियाय॥ महाक्रमाय॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥।॥ [illegible] ॥ [illegible]

य॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]

[illegible]य॥ [illegible]य॥ [illegible]य॥ [illegible]य॥

[illegible]य॥ [illegible]य॥ [illegible] ॥ [illegible]य॥

वि॰ [illegible]य॥ [illegible]य॥ [illegible]य॥ [illegible]य॥ [illegible]

मं॰ [illegible]य॥ [illegible]य॥ [illegible] ॥ [illegible]य॥ [illegible]

[illegible] य॥

ਸਤ੍ਯਵ੍ਰਤਾਯ ॥ ਸਤਾਨਨਾਯ ॥ ਏਕਕਰ੍ਮਿ ॥ ਸ੍ਵਨੇਕਾਯ ॥ ਸਰ੍ਵਕਰ੍ਮਿ ॥
ਕਾਯ ॥ ਕਰ੍ਮਿ ॥ ਯਜ੍ਵਿ ॥ ਤਪ੍ਸਿ ॥ ਪਰਾਯ ॥ ਸ੍ਵਤੰਤ੍ਰਾਯ ॥ ਲੋਕ
ਗੁਰਵੇ ॥ ਲੋਕਨਾਥਾਯ ॥ ਅਨਘਾਯ ॥ ਭਕ੍ਤਿਵਤ੍ਸਲਾਯ ॥ ਭਵ
ਤੁਵਲਾਯ ॥ ਕੋਸ਼ਾਧ੍ਯਕ੍ਸ਼ਾਯ ॥ ਵਰਾਰ੍ਹਾਯ ॥ ਸਰ੍ਵਾਰਾਧਿਨੇ ॥ ਵੀਰ
ਘ੍ਨੇ ॥ ਵਿਧਸਾਯ ॥ ਸ੍ਵਰੂਪਾਯ ॥ ਧਾਤਾਸਿਧੇ ॥ ਸਸਲਾਯ ॥ ਸਲਾ
ਯ ॥ ਸਭਾਨਿਨੇ ॥ ਅਨਸਯਾਯ ॥ ਅਨੁਗਾਯ ॥ ਲੋਕਸ੍ਵਾਮਿਨੇ ॥ ਤ੍ਰਿ
ਲੋਕਪਤੇ ॥ ਅਮੋਘਸੇ ॥ ਮੋਘਾਯ ॥ ਧਨ੍ਯਾਯ ॥ ਅਮੋਘਾਯ ॥
ਧਾਧਰਾਯ ॥ ਤ੍ਰੈਲੋਕ੍ਯਧਾਯ ॥ ਦ੍ਰਿੜ੍ਹਧਰਾਯ ॥ ਅਵਸਮੁਦ੍ਰਾਤ੍ਵਰਾਯ ॥

भूतनाथाय॥ त्रिभूनाथाय॥ हरनाथाय॥ त्रैलोक्यनाथाय॥ गणना
थाय॥ मृत्युमृत्यवे॥ मृत्युनाशाय॥ मृत्युञ्जयाय॥ मृत्युजि
ते॥ मृत्युघ्ने॥ मृत्युस्थानाय॥ मृत्युचित्तविदे॥ एकरू
पे॥ महाविष्णवे॥ विष्णुरूपे॥ कालयापाय॥ जगदि
शाय॥ जगत्पाय॥ जगदीशाय॥ जगत्राय॥ जगद्व्या
शि॰ पे॥ जगद्गुरवे॥ गुणज्ञाय॥ लोकनाथ॥ भूतपते॥
स॰ भूतभावनाय॥ ऊर्ध्वकर्मणे॥ सर्वकर्मणे॥ उत्तमकर्मणे॥
०५ उत्तमावाय॥ उत्तमाय॥ भवानाय॥ भवाय॥ शङ्कराय
य॥

भैरवाय ॥ महाकाय ॥ कालभैरवाय ॥ महाकाय ॥ काल
रूपाय ॥ भवविघ्नच्छिदे ॥ ॐ ह्रीं ॥ भवलुविघ्नवे ॥ ३··· ॥
ॐ ह्रीं श्रीं ह्रूं भैरवाय भगवते भस्मविभूषिताङ्गाय
डिं ह्रीं ॥ धलक्रीं स्रां हूं हुं फट्
स्वाहा ठः ठः स्वाहा ॥ १ ॥ ॐ नमो हृदयाय ॥ भगव
तीमहेश्वराय ॥ महाकालाय ॥ महागणेशाय ॥ महाकु
य ॥ महाविघ्नाय ॥ उमाभद्राय ॥ उग्रवीराय ॥ उमाय ॥ प
रमहंसाय ॥ परमात्माय ॥ सनिन्दनाय ॥ सर्वज्ञंसाय ॥ सर्व
सर्वपुवे ॥

सर्वज्ञाय ॥ सर्वतोभावाय ॥ सत्कृताय ॥ सद्गुणाय ॥ सि-
द्धाय ॥ सद्वृत्तये ॥ सद्गुणपरायणाय ॥ दृढव्रताय ॥ जग-
न्नाथाय ॥ सर्वदृशाय ॥ सर्वलोकहितनिरताय ॥ सर्व-
सन्निधये ॥ सर्वलोकहृदयाय ॥ सर्वपूज्याय ॥ सर्ववन्दनाय ॥
सर्वस्तुत्ये ॥ सर्वध्येयाय ॥ सर्वनियन्त्राय ॥ जयकृते ॥ जयद-
मनाय ॥ स[illegible]ये ॥ फलदाते ॥ तमसाय ॥ मूलाय ॥ गुणा-
ते ॥ निगुणाय ॥ सदाते ॥ सर्वदाय ॥ सर्वदाताय ॥ सर्वसु-
य ॥ सर्वसंसाय ॥ वंसवत्सराय ॥ जगत्कृते ॥ कविताय ॥

वि॰ सं॰ ०१

ਯੋਗਿਨੇ ॥ ਯੋਗੀਸ਼ਾਯ ॥ ਸਰ੍ਵਕਾਮਦਾਯ ॥ ਆਸ਼੍ਰਮਾਯ ॥ ਸ਼੍ਰਮ
ਣਾਯ ॥ ਕ੍ਸ਼ਾਮਾਯ ॥ ਸੁਪਰ੍ਣਾਯ ॥ ਵਾਯੁਵਾਹਨਾਯ ॥ ਧਨੁਰ੍ਧ
ਰਾਯ ॥ ਧਨੁਰ੍ਵੇਦਾਯ ॥ ਦੰਡਾਯ ॥ ਦਮਯਿਤ੍ਰੇ ॥ ਦਮਾਯ ॥
ਅਪਰਾਜਿਤਾਯ ॥ ਸਰ੍ਵਸਹਾਯ ॥ ਨਿਯਤ੍ਰੇ ॥ ਨਿਯਮਾਯ ॥
ਯਮਾਯ ॥ ਸਤ੍ਵਵਤੇ ॥ ਸਾਤ੍ਵਿਕਾਯ ॥ ਸਤ੍ਯਾਯ ॥ ਸਤ੍ਯਧਰ੍ਮ
ਪਰਾਯਣਾਯ ॥ ਅਭਿਪ੍ਰਾਯਾਯ ॥ ਪ੍ਰਿਯਾਰ੍ਹਾਯ ॥ ਅਰ੍ਹਾਯ ॥
ਪ੍ਰਿਯਕ੍ਰਿਤੇ ॥ ਪ੍ਰੀਤਿਵਰ੍ਧਨਾਯ ॥ ਵਿਹਾਯਸਗਤਯੇ ॥ ਜ੍ਯੋਤਿਸ਼ੇ ॥
ਸੁਰੁਚਯੇ ॥ ਹੁਤਭੁਜੇ ॥ ਵਿਭਵੇ ॥ ਰਵਯੇ ॥ ਵਿਰੋਚਨਾਯ ॥

[illegible]ाय॥ [illegible]॥ [illegible]ाय॥ [illegible]ाय॥ [illegible]॥
[illegible]॥ [illegible]ाय॥ [illegible]ाय॥ [illegible]ाय॥ [illegible]
य॥ [illegible]॥ [illegible]ाय॥ [illegible]ाय॥ [illegible]
[illegible]ाय॥ [illegible]ाय॥ कपिलाय॥ कपर्दिने॥ [illegible]
[illegible]ाय॥ ७०॥ ॥ ॐ [illegible] नमः [illegible]
[illegible]ः॥ [illegible]
[illegible]॥ ॥ ॥
[illegible]ाय॥ [illegible]॥ [illegible]॥ [illegible]॥ [illegible]
[illegible]ाय॥

वि: म: ९७

सोमार्धाय ॥ ऊर्ध्वलिङ्गे ॥ महिषे ॥ विद्रुमाय ॥ कृत्तिवास
भवाय ॥ महादिगाय ॥ महाभवाय ॥ मिमिराय ॥ स
वीरकराय ॥ महावराय ॥ पेमलाय ॥ मक्राय ॥ मणि
ताय ॥ कामिंवराय ॥ विनतमाय ॥ वीडठयाय ॥
गरमूव्रकीर्तनाय ॥ उत्तमायताय ॥ गदुत्ये ॥
गणय ॥ गमभनमनाय ॥ वीरम्बे ॥ गन्ताय ॥ मा
तृप्य ॥ गीवनाय ॥ पदवभितप्य ॥ मनतुपाय ॥
मनतुसूये ॥ गितभहवे ॥ ठयापप्रे ॥ मतुसूये ॥

गम्भीरघोषे || विस्मिताय || [illegible] || स्मिताय || स्मर
[illegible] || [illegible] || [illegible] || [illegible] || [illegible] ||
[illegible] || [illegible] || भीमाय || भीमपराक्रम
य || [illegible] || [illegible] || [illegible] || [illegible]
[illegible] || [illegible] || [illegible] || [illegible] || [illegible]
[illegible] || [illegible] || [illegible] || [illegible] || [illegible]
वि॰ [illegible] || [illegible] || [illegible] || [illegible] || [illegible]
स॰ [illegible] || [illegible] || [illegible] || [illegible] ||
७३

ति ठसीमं कीर्त्तीयस्तु केमरवस्तु मदनस्तु नः॥ नमं मदनमंमि
हान भमसे घ~ स्कीर्त्तितं॥ यठंमसगय त्रितंयस्तापि
परिकीर्त्तयेत॥ नमुठमू भुय क्लिष्ठ्रै मूठ्ठ ममा
त्रव:॥ ०॥ वेमतुणेस्तु स्त~: श्रुक्त्रिये विलयीठवेत॥
वैस्रै पनभमाञ्जु: श्रू स्तु ह: भापमक भुयागा॥ ७॥ पस्रजी
मभुयस्तुम मजनी मन्ठ मभुयाग॥ कमा नव भुय
कुभीमस्तजीमभुयाग्युस्र:॥ ७॥ ठक्तिमा तु: भैमि त्रुय
भुमित्रुस्तजनमा नम:॥ मजंरव भमेवस्तुनाश्र मेठस्तु कीर्त्तियस॥
॥ ८॥

सि.
मं.
७७

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]